GENERAL STUDIES (Test–3)

निर्धारित समय: तीन घंटे Time allowed: Three Hours	DTVF/22 (J-A)–M–GSM (M-I)-2203	अधिकतम अंक: 250 Maximum Marks: 250

Name: Ganpat Ram Yadav **Mobile Number:** _____

Medium (English/Hindi): _____ **Reg. Number:** _____

Center & Date: _____ **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: _____

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बीस** प्रश्न हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं।*

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)

Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)

Reviewer (Signature)

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

1. विद्युत क्षेत्र की प्रमुख संरचनात्मक चुनौतियों पर प्रकाश डालिये। इन चुनौतियों के समाधान के कुछ उपाय सुझाइये। (150 शब्द) 10

Highlight the major structural challenges ailing the power sector. Suggest some measures to overcome these challenges. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

विगत दशकों में भारत ने विद्युत ऊर्जा में आत्म-निर्भरता प्राप्त कर ली है। आर्थिक सर्वे 2020-21 के अनुसार वर्तमान विद्युत स्थापित क्षमता लगभग 400GW है। जिसमें से करीब 25% हिस्सा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा का है।

विद्युत क्षेत्र की प्रमुख संरचनात्मक चुनौतियां

1. विद्युत ऊर्जा प्रबंधन में कमियाँ
2. विद्युत पारेषण में काफी उच्च
3. दुर्गम क्षेत्रों में विद्युत उत्पादन संबंधी आधारभूत ढाँचे का अभाव
4. विद्युत वितरण कम्पनियों व राज्य सरकारों के बीच समन्वय में कमी आदि।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

चुनौतियों से निपटने के उपाय

=> अधिक से अधिक नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों पर निर्भरता बढ़ाई जानी चाहिए।

=> P.P.P मॉडल को बेहतर तरीके से लागू

=> ऊर्जा क्षेत्र में निजी निवेश को बढ़ावा।

=> दुर्गम क्षेत्रों में वहाँ की भौगोलिक दशाओं के अनुरूप वैकल्पिक तरीके अपनाये जाने चाहिए।

भारत मे प्रति व्यक्ति ऊर्जा खपत बढ़ाकर देश की तरक्की को गति दी जा सकती है। उपरोक्त चुनौतियों को दूर कर तथा 2030 तक के 500GW नवीकरणीय ऊर्जा के लक्ष्य को प्राप्त कर देश में ऊर्जा समानता बढ़ा सकते हैं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

2. "भारत में आजादी मिलने के बाद से खंडित भूमि जोत एक मुख्य समस्या बनी हुई है।" कृषि क्षेत्र पर इसके प्रभाव का परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

"Fragmented landholding has been an issue since India gained independence." Examine its impact on the agriculture sector. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आज़ादी पूर्व प्रति व्यक्ति औसत जोत आकार करीब 2 हेक्टर था, जो वर्तमान मे 0.8 है. रह गया है।

औपनिवेशिक भारत मे ही देश में भू वितरण तथा स्वामित्व का अधिकार न्यायसंगत नहीं था, इसीलिए स्वतंत्रता उपरान्त "भूमि की हदबन्दी" जैसे उपाय किए गए, परन्तु वांछित परिणाम नही मिल सके।

आज भी 85% भारतीय किसान तो लघु या सीमान्त श्रेणी मे आते हैं, जिससे कृषि क्षेत्र मे निम्न प्रभाव दिखाई दे रहे हैं –

(1) 50% से अधिक किसानो के पास 0.5 है. भूमि ही उपलब्ध है तथा यह भी कई टुकड़ो मे विभाजित

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

है।

(2) छोटे-छोटे भूखण्डों पर कृषि कार्य आर्थिक दृष्टि से फायदे में नहीं रह जाता।

(3) परिवारों के विघटन तथा जमीन के स्वामित्व के नामान्तरण के चलते कृषि योग्य भूमि नहीं बचती है

(4) लघु कृषकों को बड़े भू-स्वामियों के कृषि मजदूर के रूप में काम करने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

इस प्रकार कृषि क्षेत्र में लघु भूखंडों के चलते कई ~~प्रभा~~ प्रभाव देखे जा रहे हैं। बेहतर भूमि सुधारों तथा भूखण्डों के एकीकरण द्वारा समस्या को ~~सुलझा~~ हल कर लेना चाहिए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

3. वैश्विक आपूर्ति एकीकरण में भारत में एम.एस.एम.ई. के समक्ष आने वाली विभिन्न चुनौतियाँ क्या हैं? इन समस्याओं के समाधान में सरकारी हस्तक्षेप कैसे उपयोगी रहे हैं? (150 शब्द) 10

What are the various challenges faced by MSME's in India in global supply integration. How have government interventions been useful in addressing the issues? (150 words) 10

एम.एस.एम.ई. अर्थात् सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम स्तर के वे उद्यम, जिनकी वार्षिक आय एक निर्धारित सीमा में होती है। वर्तमान मे MSME क्षेत्र GDP में लगभग 30% तथा निर्यात मे 43% प्रतिशत का योगदान दे रहा है, तथा 11 करोड़ लोगों को रोजगार प्रदान कर रहा है।

MSME के समक्ष चुनौतियाँ

⇒ निवेश तथा ~~प्रबंध~~ ऋण की

⇒ आधारभूत ढाँचे की; जैसे- कोल्ड स्टोरेज

⇒ विपणन व निर्यात में समस्याएँ

⇒ उत्पाद गुणवत्ता

⇒ कौशल व प्रशिक्षण संबंधी आदि।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

चुनौतियों से निपटने हेतु सरकारी प्रयास

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⇒ 'उधम पोर्टल' के माध्यम से व्यापार या उद्योग शुरु करने संबंधी सहयोग

⇒ 'स्टैंड अप इंडिया' के माध्यम से वित्त संबंधी चुनौतियों को दूर।

⇒ वस्तु एवं सेवा निर्यात पर शुल्क संबंधी लाभ देकर

⇒ 'स्किल इण्डिया मिशन' के तहत प्रशिक्षण देकर।

⇒ अटल इनोवेशन मिशन (AIM) के तहत इन्क्युबेशन सेंटर खोलकर, आदि।

अत: MSME क्षेत्रक देश की तरक्की की रीढ़ है, इसे मजबूत करके भारत आने वाले दशक मे विकसित राष्ट्रों की सूची में नाम दर्ज करवा सकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

4. भारत में कुपोषण को दूर करने में फूड फोर्टिफिकेशन महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

Food fortification can play a crucial role in addressing malnutrition in India. Examine. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

शरीर मे आवश्यक पोषक तत्वों की कमी कुपोषण है। तथा कुपोषण को दूर करने हेतु खाद्य पदार्थों में बाहर से जरूरी पोषक तत्वों (आयरन, आयोडीन, विटामिन) को मिलाना फूड फोर्टिफिकेशन है।

कुपोषण को दूर करने में फूड फोर्टिफिकेशन की भूमिका

⇒ राष्ट्रीय पोषण मिशन के तहत तथा 'मिड डे मील' योजनान्तर्गत सरकार बच्चो के खाद्यान्न (चावल, गेहूं, दाल आदि) मे जरूरी पोषक तत्वों को मिलाकर अच्छा प्रयास कर रही है।

⇒ दूध मे भी फोर्टिफिकेशन हो सकता है, तथा खाद्य तेलों मे भी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

हालांकि अन्त्योदय अन्न योजना तथा अन्य खाद्यान्न वितरण में फूड फोर्टिफिकेशन की भी अति आवश्यकता है।

वर्तमान में 65% से अधिक महिलाएं एवं बच्चियाँ रक्ताल्पता (एनीमिया) की शिकार हैं; हालांकि सरकार फोलिक एसिड टेबलेट तथा अन्य आयरन तथा मल्टीविटामिन सप्लीमेंट्स के माध्यम से प्रयास कर रही है; परन्तु जरूरत है मोटे अनाजों, दूध तथा खाद्य तेलों को पोषक तत्वों से फोर्टिफाइड करने की।

SDG-2.0 को प्राप्त करने तथा देश के मानव संसाधन को स्वस्थ बनाने के लिए उपरोक्त प्रयासों को तीव्र करने की जरूरत है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. आदेशात्मक नियोजन से आप क्या समझते हैं? यह निर्देशात्मक नियोजन से किस प्रकार भिन्न है? (150 शब्द) 10

What do you understand by Imperative Planning? How is it different from Indicative planning? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

नियोजन (Planning) से तात्पर्य है, किन्हीं विशेष उद्देश्यों व लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए योजनाबद्ध तरीके से संसाधनों का बेहतर प्रबंधन करते हुए आगे बढ़ना।

आदेशात्मक नियोजन में लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आदेश के रूप में कार्यनीति व कार्यक्रमों को संबोधित किया जाता है, तथा ~~कार्य~~ क्रियान्वित किया जाता है।

यह निर्देशात्मक नियोजन से निम्न प्रकार से भिन्न है —

निर्देशात्मक नियोजन में क्रियान्वयन के लिए विभिन्न स्रोतों के निर्देशों का

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

का पालन किया जाता है।

उदाहरण के लिए - द्वितीय पंचवर्षीय योजना में पी० सी० महालनोबिस के दिशा-निर्देशन में विकास योजना का निर्माण व क्रियान्वयन हुआ।

जबकि आदेशात्मक नियोजन में एक उच्चतम स्तर के प्रबंधक द्वारा लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए बस आदेश दे दिया जाता है, यह नहीं पता होता कि कैसे करना है तथा किन आधारों को ध्यान में रखकर नियोजन करना है।

इस प्रकार दोनों ही नियोजन के प्रकार हैं, पर मूलभूत भिन्नता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

6. भारत को खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये कृषि क्षेत्र को सब्सिडी देने के बजाय कृषि में अनुसंधान एवं विकास के वित्तपोषण पर अधिक ध्यान देना चाहिये। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

India should be biased toward funding R&D in agriculture rather than giving subsidies to agriculture sector to ensure food security. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वर्तमान में भारत में दी जाने वाली सभी सब्सिडियों में "खाद्य सब्सिडी" सर्वाधिक है, पर यह सिर्फ किसानों को ही नहीं, वरन् खाद्यान्न प्राप्त करने वाली लगभग 80 करोड़ आबादी को लाभ प्रदान कर रही है। कृषकों को इसका मात्र एक हिस्सा कई रूपों में प्राप्त होता है।

यह कृषि सब्सिडी कई किसानों को अच्छा सहारा प्रदान कर रही है, परन्तु इसका अधिकांश लाभ बड़े किसान ही उठाते हैं।

चूँकि कृषकों को दी जा रही सब्सिडी उन्हें तात्कालिक सहयोग तो प्रदान कर रही है, परन्तु उनकी क्षमताओं में विकास नहीं कर पा रही।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

ऐसे में कृषि में नवाचार तथा अनुसंधान में वित पोषण निम्न प्रकार से किसानों के लिए ~~का~~ फायदेमंद साबित हो सकता है —

(1) कृषि में नवाचार

(2) नई किस्म के जलवायु अनुकूल बीजों को बनाकर

(3) जल गहन फसलों के विकल्प खोजकर

(4) लघु जोत खण्डों के लिए लाभदायी कृषि तकनीके लाकर।

इस प्रकार सरकार को सब्सिडी का एक हिस्सा उपरोक्त कृषि अनुसंधानों व नवाचारों के रूप में प्रदान करके किसानों को स्थायी रूप से लाभान्वित बनाया जा सकता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

7. जलवायु परिवर्तन और पानी की कमी के युग में, सूक्ष्म सिंचाई फसल की उपज बढ़ाने और पानी की आवश्यकताओं को कम करने में मदद कर सकती है। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

In the age of climate change and water scarcity, micro-irrigation can help increase crop yield and decrease water requirements. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सूक्ष्म सिंचाई कृषि सिंचाई की वह विधि है जिसमे नहर के रूप में खुली सिंचाई न करके पौधो की आवश्यकतानुसार बूंद-बूंद अथवा फँव्वारा के माध्यम से सिंचाई करना।

सूक्ष्म सिंचाई जल संकट वाले कई क्षेत्रों के लिए वरदान साबित हुई है।

वे किसान जिनके खेतो में भूजल की मात्रा अत्यंत कम है, वे पानी का सहज छिड़काव करने वाली 'स्प्रिंकलर' अथवा 'ड्रिप इरिगेशन' तकनीकें अपनाकर अपना पेट पाल रहे हैं, अन्यथा खेती का विकल्प त्यागना पड़ता।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

=) सूक्ष्म सिंचाई ने जल अति दोहन को कम किया है।

=) जनता को जागरूक किया है।

=) जिन क्षेत्रों में अभी पानी उपलब्ध है, वे क्षेत्र भी अब सूक्ष्म सिंचाई तकनीकें अपनाकर जल बचत कर संधारणीय कृषि को बढ़ावा दे रहे हैं

परन्तु अभी भी सूक्ष्म सिंचाई ऊँट के मुँह में जीरा है। उन किसानों को भी सक्षम बनाना होगा, जिनके खेतों में इतना पानी भी नहीं बचा है कि वे सूक्ष्म सिंचाई द्वारा भी फसल उत्पादन कर सकें।

इसके लिए वर्षा जल संरक्षण करके, उससे "ड्रिप इरिगेशन" करवाने हेतु किसानों को मदद की जानी चाहिए।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

8. फसल विविधीकरण को टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने, आयात पर निर्भरता में कमी और किसानों के लिये उच्च आय को बढ़ावा देने के लिये एक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

Crop diversification can be used as a tool to promote sustainable agriculture, reduction in import dependence and higher incomes for the farmers. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

फसल विविधिकरण से तात्पर्य है एक ही खेत में तरह-तरह की फसलें उगाना, न कि हर बार एक ही प्रकार की फसलों को बुवाई।

फसल विविधिकरण के लाभ

=) मृदा संरक्षण

=) मृदा उर्वरता में वृद्धि

=) खरपतवारों में कमी

=) कीट प्रकोप से सुरक्षा

=) फसल नष्ट होने के खतरों से सुरक्षा।

=) आय के एक वैकल्पिक स्रोत का होना, जब एक फसल में कीट प्रकोप हो जाये आदि।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृषि के वाणिज्यीकरण ने कृषि विविधिकरण को कम किया है, अतः कृषि विविधिकरण बढ़ाने के लिए निम्न प्रयास करने चाहिए —

⇒ किसान विज्ञान केन्द्रों (KVK) में कृषकों को प्रशिक्षण मिले

⇒ कृषि क्षेत्रों में वैकल्पिक फसलों के विपणन हेतु संरचनात्मक सुधार हो।

⇒ सभी या अधिक से अधिक फसलों को MSP- न्यूनतम समर्थन मूल्य के दायरे में लाया जाये।

इस प्रकार कृषि विविधीकरण की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए जरूरी सुधार व ज्ञान-प्रशिक्षण करने होंगे, ताकि देश का किसान सुरक्षित व आत्म-निर्भर होगा, तो पूरा देश आत्मनिर्भर हो सकेगा।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

9. दोहरे घाटे (Twin Deficit) की अवधारणा की व्याख्या कीजिये? भारत वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में दोहरे घाटे की चुनौती की फिर से उभरती चुनौती से कैसे निपट सकता है। (150 शब्द) 10

Explain the concept of twin deficit? How can India address the re-emerging challenge of twin deficit challenge in current global scenario. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

दोहरे घाटे से तात्पर्य है, देश की बढ़ी विनिमर्ण कम्पनियों के साथ-साथ देश के विदेशी व्यापार में भी घाटा होना।

दोहरा घाटा देश की अर्थव्यवस्था तथा बैंकों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है।

⇒ इससे न केवल बैंकों का NPA बढ़ता है, बल्कि विदेशी मुद्रा भण्डार में भी कमी लाता है।

निपटने के उपाय

1. देश के प्राथमिक क्षेत्र यथा कृषि, खनन आदि के साथ-साथ बड़े विनिमर्ण उद्योगों के आर्थिक स्वास्थ्य की नियमित जाँच होती रहे, तथा जरूरी मदद होती रहे।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

2. निर्मित उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार

3. निर्यात बाधाओं को दूर करने के प्रयास

4. 'ईज ऑफ डूइंग बिजनस' के मानकों में निरन्तर सुधार

5. बैंक घोटालों को रोकने के लिए ठोस रणनीतिक कदम, आदि

इस प्रकार उपरोक्त उपाय अपनाकर देश दोहरे घाटे की समस्या से न केवल बच सकता है, बल्कि ऐसी वैश्विक समस्या के होने पर मजबूती से प्रगति पथ पर आगे बढ़ता रहेगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

10. महामारी और आसन्न मंदी के मद्देनजर, राज्यों को राजस्व की कमी के मुद्दे का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में राजकोषीय संघवाद के सिद्धांत को कैसे सुनिश्चित किया जा सकता है?

(150 शब्द) 10

In the wake of pandemic and looming recession, states are facing the issue of a revenue shortfall. In this regard how can the principle of fiscal federalism be ensured?

(150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

महामारी (कोविड-19) तथा उससे जनित मंदी ने निम्न कारणों से राज्यों के राजस्व का मुद्दा खड़ा कर दिया-

(1) केन्द्र सरकार को बढ़ी हुई सब्सिडियाँ

(2) स्वास्थ्य क्षेत्र में अत्यधिक खर्च होने से केन्द्र सरकार का राजस्व घाटा बढ़ना।

(3) केन्द्र सहित राज्यों को राजस्व प्राप्ति में कमी। आदि

(4) उपरोक्त वजह से राज्यों को केन्द्रीय आर्थिक सहयोग में भी कम राशि प्राप्त हुई। ऐसे में कुछ राज्यों ने केन्द्र सरकार पर "राजकोषीय संघवाद" को क्षीण करने के आरोप लगाए हैं-

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

राजकोषीय संघवाद से तात्पर्य है, वित्तीय मामलों में केन्द्र तथा अन्य सभी सहभागी सरकारें (राज्य तथा स्थानीय) विचार विमर्श कर के उचित निर्णय लें;

उदा. – GST का प्रबंधन

अतः राजकोषीय संघवाद को बढ़ाने के लिए —

(1) अन्तर राज्यीय परिषद के माध्यम से वित्तीय मुद्दों पर विचार हो।

(2) स्थानीय जरूरतों व आवश्यकता के आधारों को सार्वजनिक कर पारदर्शी तरीके से वित आवंटन

(3) GST परिषद तथा नीती आयोग द्वारा औचित्यपूर्ण भूमिका, आदि

इस तरह मौजूदा हालातों में न केवल राष्ट्रीय एकता व अखण्डता एक मुख्य प्रश्न है, बल्कि देश का समतापूर्ण विकास भी ध्यान में रखा जाना जरूरी है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

11. समावेशी विकास को बढ़ावा देने और सतत् विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये भारत में महिला श्रम बल की भागीदारी बढ़ाना महत्त्वपूर्ण है। इसे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15
Increasing Female Labour Force Participation in India is crucial to promote inclusive growth and achieve the Sustainable Development Goals. Discuss the ways in which it can be increased. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

समावेशी विकास से अर्थ है, प्रत्येक वर्ग का विकास सुनिश्चित हो।

सतत् विकास लक्ष्यों से अर्थ उन 17 SDG से है, जिन्हे इस प्रकार से 2030 तक प्राप्त करना है, ताकि विकास की प्रक्रिया धारणीय हो तथा आगे वाली पीढ़ियों तक लाभ मिलता रहे।

SDG प्राप्ति में महिला श्रम बल भागीदारी

⇒ बढ़ी हुई महिला श्रम बल भागीदारी विकास को तेज करेगी।

⇒ महिलाएँ आर्थिक रूप से सशक्त होकर स्वास्थ्य व पोषण समस्याओं को दूर करेंगी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

=> महिलाएँ शिक्षा के प्रति ज्यादा जागरूक व पर्यावरण के प्रति संवेदनशील होंगी।

=> पीने के पानी तथा स्वच्छ ऊर्जा विकल्पों की तरफ ध्यान दिया जा सकेगा।

=> एक महिला सशक्त होगी, तो वह पूरे परिवार को गरीबी से निजात दिला सकती है, आदि

इस प्रकार धारणीय विकास तथा सतत विकास लक्ष्यों में बढ़ा हुआ महिला बल भागीदारी दर सहयोग करेगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

12. संसाधनों पर प्रतिस्पर्द्धात्मक लाभ और बड़ा घरेलू बाजार होने के बावजूद, भारत में खाद्य प्रसंस्करण पिछड़ा हुआ है। विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 15

Despite having competitive advantage over resource endowments and large domestic market, food processing in India lags behind. Analyse. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

खाद्य प्रसंस्करण से अर्थ है, कच्चे खाद्य पदार्थों व फसलों को मशीनों द्वारा प्रसंस्करित करके बिक्री योग्य गुणवत्ता युक्त, अधिक उम्र के भोज्य पदार्थों में बदल देने की प्रक्रिया।

भारत बड़ा घरेलू बाजार है, परन्तु खाद्य प्रसंस्करण के पिछड़ने के निम्न कारण हैं:—

(1) निवेश में कमी

(2) आधारभूत ढांचे का अभाव, जैसे परिवहन, कोल्ड स्टोरेज, ..

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(3) "मेगा फूड पार्क" जैसी योजनाओं का धीमा क्रियान्वयन। पिछले 13 वर्षों में अभी तक केवल 27 ही सुचारू काम करना शुरू किये हैं।

(4) भूमि अधिग्रहण समस्याएँ

(5) प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की भारत में कम माँग है।

(6) ~~परिवहन~~

इस तरह कई कारण हैं, जिनकी वजह से भारतीय खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र अभी भी पिछड़ा हुआ है।

अतः इसे दूर करने के लिए निम्न उपाय —

(1) सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

में तेज़ी लाना।

(2) सस्ते ~~ऋण~~ तथा सब्सिडी

(3) ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशिक्षण कार्यक्रम

(4) डेरी व्यवसायियों तथा दुग्ध उत्पादकों हेतु उचित प्रोत्साहन आदि।

खाद्य प्रसंस्करण मे असीम संभावनाएँ हैं। भारत में न केवल रोजगार के अवसर बढ़ेंगे बल्कि यह कृषकों की आय को भी दोगुना करने मे सहयोग करेगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

13. हाल के वर्षों में भारत की गिग इकॉनमी में भारी उछाल आया है। हालाँकि, गिग इकॉनमी में महिलाओं के प्रवेश में संरचनात्मक बाधाएँ बनी हुई हैं। विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 15

India's gig economy has witnessed an enormous surge in recent years. However, there remain structural barriers to women's entry into the gig economy. Analyse. (250 words) 15

गिग इकॉनमी से तात्पर्य है, "बिना किसी नियंत्रण के अपने हिसाब से प्रोजेक्ट आधारित व समयानुकूल कार्य करना।"

उदा. — जोमैटो, ओला-उबेर आदि में

हाल ही के वर्षों में. विशेषकर कोरोना के बाद से "गिग इकॉनमी" में उछाल आया है. क्योंकि —

(1) कार्य स्वतंत्रता मिलती है।

(2) युवाओं को आकर्षित करता है।

(3) नियोक्ताओं का खर्चा भी कम होता है।

(4) एक ही समय में दो या तीन अलग-अलग संस्थाओं के

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

साथ जुड़ने का मौका मिलता है।

हालाँकि 'गिग इकॉनमी' में महिला भागीदारी अपेक्षाकृत कम है, जिसकी निम्न वजह हैं—

(1) जॉब की सुरक्षा नहीं

(2) सरकारी नौकरी अथवा नियमित नौकरी को वरीयता देना

(3) लिंग आधारित भेद भाव

(4) उचित तनख्वाह ना मिलना

(5) काम पर आने-जाने हेतु परिवहन की समस्या।

(6) घर संभालने की जिम्मेदारी आदि।

इस प्रकार महिला भागीदारी में अनेक समस्याएं तो हैं कि

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

साथ कुछ गिग इकॉनमी की संरचनात्मक दिक्कतें भी हैं, जैसे—

⇒ कार्य की प्रकृति: उदाहरण: महिलाएँ ओला-उबेर या जोमेटो-स्विग्गी जैसी संस्थाओं के साथ ड्राइवर जैसे काम करने में झिझक महसूस करती हैं।

⇒ कार्य में समय प्रबंधन: अधिकांश कार्य किसी विशेष समय न होकर दिन के 24 घंटों में कभी भी हो सकते हैं, ऐसे में समय प्रबंधन भी एक बड़ी समस्या है।

हालांकि बड़े कॉर्पोरेट के साथ प्रोजेक्ट आधारित उच्च कोटी के कार्यों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है, जो अच्छी बात है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

14. "पीएम गति शक्ति योजना में दुनिया की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं के साथ प्रतिस्पर्द्धा करने के लिये भारतीय बुनियादी ढाँचे और लॉजिस्टिक व्यवस्था को बदलने की क्षमता है।" समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 15

"PM GATI SHAKTI has the potential to transform Indian infrastructure and logistics to compete with the world's leading economies". Critically analyze. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

पी०एम० गतिशक्ति योजना देश के परिवहन क्षेत्रक ~~को~~ में आमूलचूल परिवर्तन करने की योजना है, जिसके उच्च गति की माल वाहक रेल तथा सड़क गलियारे बनाने के प्रावधान हैं।

⇒ यह एक उच्च निवेश प्रोजेक्ट है, जो देश में परिवहन जैसे लॉजिस्टिक सुधारों के माध्यम से निम्न प्रकार से अर्थव्यवस्था को फायदा करेगा —

(1) बन्दरगाहों से सम्पर्क

(2) माल परिवहन में समय की बचत।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(3) परिवहन लागत में कमी।

(4) मल्टी मॉडल माल परिवहन गलियारे

(5) निर्यात में तेजी

(6) खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को भी सदुपयोग मिलेगा।

परन्तु PM गतिशक्ति योजना के समक्ष कुछ चुनौतियाँ भी हैं —

(1) निवेश के लिए बड़ी राशि

(2) P-P-P मॉडल के तहत निजी भागीदारों की अनिच्छा

(3) योजना क्रियान्वयन में कई राजनीतिक व्यवधान

(4) भूमि अधिग्रहण में समस्याएँ

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. पर्यावरणीय मुद्दे तथा हड़तालें

6. विस्थापन तथा पुनर्वासन संबंधी।

इस प्रकार हम देख सकते हैं कि पी.एम. गतिशक्ति एक महत्वाकांक्षी योजना है, पर साथ ही उपरोक्त मुद्दों को भी समय रहते सुलझाना जरूरी है, तथा यह भी सुनिश्चित करना होगा कि योजना में पर्यावरणीय प्रभाव आकलन को ध्यान में रखा जाए।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

15. विभिन्न प्रकार के निवेश मॉडलों की चर्चा कीजिये। पी.पी.पी. (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल से संबंधित मुद्दों पर प्रकाश डालिये। (250 शब्द) 15

Discuss the distinct types of investment models. Highlight the issues with the PPP (Public Private Partnership) model. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत एक विकासशील देश है, ऐसे में आर्थिक विकास के लिए विभिन्न परियोजनाओं में निवेश के लिए निजी क्षेत्र पर निर्भर रहना पड़ता है।

उदारीकरण के बाद निवेश में काफी वृद्धि हुई परन्तु अभी भी यह आवश्यकतानुसार नहीं है। इसके लिए FDI तथा FII दोनों ही माध्यम से निवेश आकर्षित करने के लिए "ईज ऑफ डूइंग बिजनेस" सूचकांक में सुधार की महती आवश्यकता है।

निवेश मॉडल

निजी क्षेत्र की भागीदारी को सुनिश्चित करते हुए निवेश के निम्न मॉडल हैं—

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

① ⇒ EPC : इंजिनियरिंग - प्रक्योर - कंस्ट्रक्ट

इस मॉडल में तकनीकी भागिदारी के साथ-साथ बनाने की जिम्मेदारी भी निजी कम्पनी की होती है, तथा निजी भागीदार ही निर्माण सामग्री की खरीद करता है।

⇒ इसके लिए सरकार भुगतान करती है

② HAM : हाइब्रिड एन्युटी मॉडल

इसमें योजना में निधि निवेश निजी क्षेत्र तथा सरकार मिलकर एक पूर्व निर्धारित अनुपात में करते हैं, जैसे - 40 : 60

यह कार्य की गुणवत्ता व दक्षता को भी सुनिश्चित करता है, क्योंकि सरकार 60% वित्त का

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

भुगतान किस्तों में कार्य गुणवत्ता के आधार पर करती है।

③ BOT : बिल्ट - ऑपरेट - ट्रांसफर मॉडल

इसमें निजी पक्षकार अपनी पूंजी लगाकर निर्माण करवाता है, तथा निर्धारित समय तक अपने निवेश की वसूली तक स्वयं परिचालन (Toll tax) करके सरकार को → परिसंपत्ति स्थानांतरण कर देता है।

P.P.P. मॉडल में चुनौतियां

↳ भू अधिग्रहण
↳ कार्य में देरी
↳ पर्यावरणीय हस्तक्षेप
↳ निवेश पूंजी का अभाव

अतः उपरोक्त चुनौतियों को ठीक से हल करके देश की तरक्की में P.P.P. मॉडल को सफलता पूर्वक क्रियान्वित किया जा सकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

16. बंदरगाह क्षेत्र को न केवल मज़बूत करने, बल्कि उसका विस्तार, विकास और आधुनिकीकरण करने की आवश्यकता है। टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 15

There is a need not just to strengthen but expand, develop, and modernize our port sector. Comment. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वर्तमान मे 13 वृहद तथा लगभग 200 छोटे-छोटे बन्दरगाह हैं। मुख्य बंदरगाहों में मुम्बई, काण्डला, मार्मुगावो, चेन्नई, आदि * हैं।

हाल के कुछ वर्षों में बंदरगाहों की माल क्षमता तथा टर्न अराउंड समय, दोनों मे सुधार हुए हैं। पहले के मुकाबले अब प्रति दिन जहाज क्षमता में भी वृद्धि हुई है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

चूँकि समुद्री परिवहन सबसे सस्ता व भरोसेमन्द परिवहन माध्यम है, तथा विदेशी व्यापार का मुख्य आधार है, इसलिए भारत को बन्दरगाहों की क्षमता विकास तथा आधुनिकीकरण पर ध्यान देना आवश्यक है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⇒ भारत का लॉजिस्टिक व्यय निम्न प्रकार है।

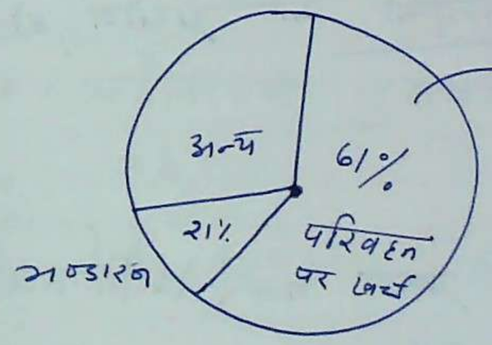

इसमें भी 60% से ज्यादा सड़क परिवहन पर खर्च होता है।

∴ जल परिवहन क्षमताओं को बढ़ाकर उचित दोहन करने की आवश्यकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

भारत का आन्तरिक व्यापार का हाल भी बुरा है। मात्र 1% जल मार्ग द्वारा माल परिवहन हो पा रहा है, इस प्रकार यह सर्व विदित है, कि सागरमाला तथा भारतमाला जैसी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन द्वारा जलमार्ग क्षमताओं को बढ़ाया जाए, तथा माल हैंडलिंग के लिए नवीनतम तकनीकों का प्रयोग हो।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इस प्रकार अन्तर-देशीय तथा अन्तरा-देशीय दोनों ही स्तर पर व्यापार में जलमार्गों का विकास कर न केवल लॉजिस्टिक खर्चे कम किए जा सकते हैं, बल्कि पर्यावरण अनुकूल भी होगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

17. भारत में विनिर्माण को प्रोत्साहित करने और विनिर्माण और सेवाओं में समर्पित निवेश के साथ अर्थव्यवस्था को उत्प्रेरित करने के लिये मेक इन इंडिया पहल अस्थिर-सी हो गई है। समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 15

Make in India initiative to encourage manufacturing in India and galvanize the economy with dedicated investments in manufacturing and services is on a slippery slope. Critically analyze. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वर्ष 2014 में 'मेक इन इंडिया' पहल को शुरुआत जोर शोर से हुई। हालांकि योजना ने देश को आत्म निर्भर बनाने में निम्न प्रकार से योगदान दिया —

(1) कई स्वदेशी विनिर्माण कम्पनियों की स्थापना हुई

(2) पहले के मुकाबले नए 'स्टार्ट अप' बढ़े।

(3) पेटेंट आवेदनों में संख्या बढ़ी है

परन्तु, यह भी सत्य है कि "मेक इन इंडिया" योजना, कई क्षेत्रकों तक अपना प्रभाव नहीं जमा पाई है, जैसे —

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⇒ वस्त्र निर्माण उद्योग में कोई विशेष प्रभाव नहीं आया, जो कि भारत का सर्वाधिक रोजगार प्रदान करने वाला क्षेत्रक है।

⇒ बहुत से "स्टार्टअप" बंद हो रहे हैं। मैंने स्वयं ने वर्ष 2015 में "जैविक खाद्य व डेरी उत्पादों" संबंधी एक एकीकृत उद्यम शुरू किया था, परन्तु वित्तीय बाधाओं व बाजार की चुनौतियों के चलते इसे बंद करना पड़ गया।

इस प्रकार से कह सकते हैं, अब धीरे-धीरे 'मेक इन इंडिया' पहल अपनी चमक खो रहा है। जिसके निम्न कारण हो सकते हैं—

(1) बैंकों की खराब हालत
(2) निजी निवेशकों की अरुचि
(3) क्रियान्वयन में कमियाँ

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

"मेक इन इंडिया" पहल को सफल बनाने के उपाय :⇒

(1) बैंक घोटालों को रोका जाये
(2) कौशल प्रशिक्षण को जमीनी हकीकत को ध्यान में रखकर मूल्यवर्धक प्रशिक्षण दिया जाए।
(3) एंजेल इन्वेस्टर्स को सरकार प्रोत्साहन दे
(4) नए उद्यमों के लिए "सीड फंड" की सीमा ₹1 करोड़ तक न्यूनतम ब्याज पर की जाए।

इस प्रकार देश को विकसित बनाने के लिए समक्ष चुनौतियों को चिन्हित कर तुरन्त हल करने की सख्त आवश्यकता है, यही हमें 2030 तक विकसित राष्ट्र बनाने में मदद कर सकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

18. किसानों की आय दोगुनी करने के लिये कृषि में विकासात्मक पहल, प्रौद्योगिकी और नीतिगत सुधारों की आवश्यकता है। व्याख्या कीजिये। (250 शब्द) 15

Developmental initiatives, technology and policy reforms in agriculture are needed for doubling farmers' income. Elucidate. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वर्ष 2022 तक किसानों की आय दुगुनी करने का एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा गया था, तथा इस दिशा में कई संरचनात्मक बदलाव व प्रयास किए भी गए हैं, पर हकीकत सब के सामने हैं।

अब तक किए गए प्रयास

⇒ कुछ सूचिबद्ध फसलों के MSP में वृद्धि

⇒ किसान रेल शुरू

⇒ TOP योजना

⇒ A PM-AASHA योजना के तहत निजी खरीद को बढ़ावा

⇒ e-NAM के तहत किसानों के उत्पादों के विपणन में पारदर्शिता लाने की कोशिश। आदि

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

परन्तु उपरोक्त उपाय नाकाफी हैं, तथा हकीकत में सर्वे सुलभ भी नहीं हो पाते हैं। देश में ऐसे कितने % किसान होंगे, जो e-NAM के बारे में जानते होंगे, तब जबकि 85% किसान लघु व सीमांत हैं, गरीब हैं, तकनीकी ज्ञान से कोसों दूर हैं।

अतः अब पुरानी खामियों से सीखकर नए सिरे से निम्न सुधारों की आवश्यकता हैं —

(1) किसानों का विश्वास जीता जाए

(2) उन्हें भरोसा दिलाया जाए सरकार राजनीति से इतर उनकी आय को वास्तव में दोगुनी करने हेतु निम्न आधारों पर प्रयासरत हैं

(3) ग्राम पंचायत स्तर पर, क्षेत्रवार योजनाओं को सार्वजनिक

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

रूप से बताया जाये।

=> लाभार्थियों को व्यक्तिगत रूप से आधुनिक तकनीकों के माध्यम से अवगत करवाया गया।

=> प्रत्येक किसान का एक "मेरा किसान - मेरी सरकार" नाम से खाता बने, जिस पर शीघ्रवार तथा जरूरत अनुसार दैनिक, मासिक आधार पर अपडेट हो, ताकि सभी किसानों का भरोसा जीता जा सके व योजना क्रियान्वयन में कोताही न हो।

=> ज्यादा उत्पादन की बजाय ~~सुख~~ गुणवत्ता युक्त शुद्ध प्राकृतिक उत्पादन पर ध्यान देकर कृषक उत्पादों को विदेशी बाजारों में अच्छी कीमतों पर बेचने की नीति पर काम करने का वक्त आ गया है। इस प्रकार निश्चित रूप से किसानों की आय दोगुनी हो सकेगी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

19. भारत अकुशल अनाज प्रबंधन से ग्रस्त है जो खाद्य सुरक्षा को चुनौती देता है। चर्चा कीजिये।

(250 शब्द) 15

India suffers from inefficient grain management which challenges food security. Discuss.

(250 words) 15

भारत बीते कई दशकों से खाद्य आत्मनिर्भर तथा शुद्ध निर्यातक देशों की श्रेणी में है।

इसके बावजूद भारत में कुपोषण तथा भुखमरी की समस्या लगातार बनी हुई हुई। हालिया जारी "वैश्विक भुखमरी सूचकांक" में भारत को 142 देशों में 100+ का स्थान मिला है, जो बेहद चिंताजनक व शर्मनाक तो है कि साथ ही इस प्रश्न को सोचने पर मजबूर करता है, कि आखिर क्यों?

तो मुख्य कारण है, "अकुशल खाद्य प्रबंधन"

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

विगत कृषि वर्ष भारत का कुल खाद्यान्न उत्पादन 300MMT से ज्यादा रहा, परन्तु फिर भी ~~हर रोज~~ लगभग तीन करोड़ भारतीय हर रात भूखे पेट सो रहे हैं।

खाद्य प्रबंधन मे कमियाँ

=> खाद्यान्नों की खरीद मुख्यतया केन्द्रीय एजेंसी FCI करती है; तथा गोदामों तक लाती है, और अगले आदेशों तक गोदामों पर ताला लगा दिया जाता है।

- जिससे बहुत सा खाद्यान्न सड़ जाता है।

→ निम्न स्तरीय हैंडलिंग

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

=> FCI के पास उच्च कोटी के गोदामों की कमी।

=> कर्मचारियों पर सख्ती मे कमी।

=> परिवहन में अनावश्यक बर्बादी

बेहतर खाद्य प्रबंधन के उपाय

=> पूरे देश के खाद्य उत्पादन व खाद्य माँग की बेहतर मैपिंग हो।

=> खाद्यान्न सरप्लस क्षेत्रों को न्यूनतम दूरी के खाद्य डेफिसिट क्षेत्रों में सीधा भण्डारण।

=> जहाँ, जिस स्थानीय क्षेत्र मे खाद्यान्न वितरित होंगे, वहाँ तहसिल स्तर पर आधुनिक तकनीकों से युक्त गोदाम बनाएं जाऐं, तथा राज्य सरकारों को प्रबंधन की जिम्मेदारी दे दी जाए,

Copyright – Drishti The Vision Foundation

20. अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि असंगठित क्षेत्र को संगठित क्षेत्र में परिवर्तित करने के लिये संरचनात्मक परिवर्तन की आवश्यकता होगी। इस संबंध में औपचारीकरण के विभिन्न लाभों और चुनौतियों पर चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

It has often been argued that it will take a structural transformation for the unorganized sector to become organized. In this regard discuss the numerous benefits and challenges to formalization. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

वर्तमान में भारतीय अर्थव्यवस्था में 90% से अधिक श्रमिक असंगठित क्षेत्र में कार्यरत हैं, तथा इन 90% लोगो द्वारा कुल आय का बहुत छोटा 24-25% ही प्राप्त हो पाता है।

असंगठित क्षेत्र से तात्पर्य है, वे क्षेत्र या कार्यकर्ता जो किसी पंजीकृत संस्था मे काम नहीं कर रहे, तथा जिन्हें औपचारिक मूल भूत सुविधाओं की गारन्टी भी नहीं मिली हुई हो।

अतः इस प्रकार इनके न कार्य करने के, अथवा न्यूनतम मजदूरी के या छुट्टी के सरकारी नियम होते हैं, ऐसे

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

मे असंगठित क्षेत्र में मजदूरों का आर्थिक - सामाजिक शोषण होता है, तथा अनेक कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से भी वंचित रह जाते हैं।

असंगठित क्षेत्र के संगठित क्षेत्र में रूपान्तरण करके न केवल इनकी क्षमताओं का पूर्ण दोहन किया जा सकता है, बल्कि नई तकनीकों व प्रशिक्षण मे भागीदारी बढ़ाई जा सकती है।

⇒ बच्चो को शिक्षा व स्वास्थ्य के बेहतर अवसर मिलेंगे।

⇒ भविष्य निधि तथा योजनांतर्गत अन्य सुविधाएँ भी प्राप्त हो सकेंगी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

औपचारीकरण में चुनौतियाँ

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

⇒ सूचना का अभाव

⇒ अत्यधिक बेरोजगारी का होना

⇒ शिक्षा व कौशल की कमी

⇒ पंजीकरण में कानूनी कार्यवाही का जटिल होना।

⇒ छोटे दुकानदारों, ठेले वालों आदि द्वारा GST आदि की वजह से पंजीकरण से बचना।

इस प्रकार जाहिर है, कुछ नीतिगत बदलाव करके असंगठित क्षेत्र को धीरे-धीरे संगठित क्षेत्र में बदला जा सकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

Space for Rough Work
(रफ कार्य के लिये स्थान)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation